रोमाण्टिक युगीन अंग्रेजी कवि विलियम वर्ड्सवर्थ के काव्य में सौन्दर्य चेतना एवं प्रेम भावना

डॉ. राखी उपाध्याय,

एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग,
डी.ए.वी. (पी.जी.) कॉलेज, देहरादून

शोध सारांश

वर्ड्सवर्थ को प्रकृति सौन्दर्य के दृष्टा और व्याख्याता के रूप में जाना जाता है और इस दृष्टि से रोमाण्टिक युगीन कवियों में उसका स्थान सर्वोच्च है। वह अपनी बाल्यावस्था से ही प्रकृति सौन्दर्य की ओर आकृष्ट हुए। प्रकृति सौन्दर्य का वह अत्यन्त सूक्ष्म पर्यवेक्षक था। प्रकृति सम्बन्धी छोटी सी छोटी वस्तु भी उनके ध्यान से छूट नहीं सकती थी और उसका वर्णन वह पूरी निष्ठा से करते थे। वर्ड्सवर्थ के प्रकृति काव्य का सर्वाधिक विशिष्ट गुण उनका प्रकृति प्रेम, प्रकृति विषयक ज्ञान और वर्णन की सत्यता नहीं वरन् वह प्रमाण धार्मिक भावना है, जो उनके काव्य में सर्व व्याप्त है। 'Lines written above Tinteren Abbey' तथा 'Ode on the Intimations of immortality' आदि ऐसी अनेक कविताएँ हैं जिनमें वर्ड्सवर्थ ने अनेकानेक बार कहा है कि प्रकृति उसके लिए देवी आत्मा का मूर्त रूप थी। वर्ड्सवर्थ ने अपनी कविताओं में यह धारणा भी व्यक्त की है कि प्रकृति समस्त शिक्षकों से श्रेष्ठतर है। इस धारण से उनका आशय है कि विश्व भर में व्याप्त विश्वात्मा तथा मनुष्य की आत्मा के बीच एक आध्यात्मिक संसर्ग सम्भव है जिनके द्वारा मनुष्य को शक्ति, शान्ति और सुख की उपलब्धि हो सकती है।

मुख्य शब्द—*विलियम वर्ड्सवर्थ, काव्य, रोमाण्टिक युग, प्राकृतिक सौन्दर्य, मानवीय सौन्दर्य, उदार प्रेम, प्रेम भावना*

यद्यपि वर्ड्सवर्थ मूल रूप से प्रकृति का ही कवि हैं तथापि वह मानव का भी कवि हैं। इस सन्दर्भ में विचारणीय है कि उनका मानव सम्बन्धी दृष्टिकोण उनके प्रकृति सम्बन्धी दृष्टिकोण से ही परिचालित और प्रेरित है। वर्ड्सवर्थ का मत है कि प्रकृति और मनुष्य के मत के बीच एक पूर्वनिश्चित संगति— 'Pre-arranged harmong' है। वर्ड्सवर्थ यहाँ एक कवि के रूप में नहीं वरन् एक नीतिज्ञ के रूप में हमारे सम्मुख आते हैं। यही कारण है कि हमें उनके काव्य में पुरुष अथवा नारी के सौन्दर्य के स्थूल, ऐन्द्रिक चित्र नहीं मिलते। वर्ड्सवर्थ मानव के बाह्य सौन्दर्य से कभी प्रभावित नहीं हुए। 'Vandracour and Julia' शीर्षक कविता में वर्ड्सवर्थ ने यौवनजन्य सौन्दर्य के कतिपय हृदयस्पर्शी चित्र प्रस्तुत किये हैं। इस कविता में उसने कुमारी की भ्रू पर अंकित प्रेम के चिह्न को आकाश के

सुन्दरतम् तारे से भी अधिक आकर्षक बताया है–

'O happy time of youthfull lover.....

..... O balmy time,

In which a love-knot on a lady's brow

Is fairer than the fairest star in heaven'.

वर्ड्सवर्थ मानव के अन्तःकरण की नैतिक और आध्यात्मिक शक्तियों में दृढ़ निष्ठा रखने वाले कवि हैं। इस कारण उन्होंने पुरुष तथा नारी के अन्तः सौन्दर्य का अधिक चित्रण किया है। वर्ड्सवर्थ को बाह्य सौन्दर्य में भी अन्तःसौन्दर्य का ही प्रतिबिम्ब दिखाई दिया है। उन्होंने बाह्य सौन्दर्य को एक अत्यन्त अपरिसीमित रहस्य तथा कुतूहल की दृष्टि से देखा है। फूल, तारे, किरण, रमणी का मुख अथवा वीर का वक्षस्थल देखकर वह भावमग्न हो जाता है–

'To me the meanest flower that blows can give

Thoughts that do often lie too deep for tears.'

वर्ड्सवर्थ ने जहाँ कहीं नारी–सौन्दर्य का अंकन किया है वहाँ उन्होंने आदर्शीकृत रूप अथवा शील को ही प्रस्तुत किया है। 'To A High Land Girl' शीर्षक कविता में कवि ने पर्वती बाला के शील के मुख्य आधार– उदारता, निश्छलता, भोलापन, लज्जा, दया आदि दिव्य गुणों का वर्णन किया है–

For never saw I mein or face,

For which more plainly I could trace

Benignity and hom-bred sense

Ripening in perfect innosence

Here from men, like a random seed,

Remote from men, Then dost not need,

The embarrassed look of shy distress

And moid only shamelessness

Then wearst upon they forehead clear

The freedom of a mountaineer.

A face with gladness overspread

Soft smiles, by human kindness bred?

वर्ड्सवर्थ का हृदय प्रारम्भ से ही मानव के मानसिक सौन्दर्य से परिचित हो गया। अतएव उसने मानव स्वरूप को आनन्द, आकर्षण, शक्ति और गुणों के आगार के रूप में ग्रहण किया 'Lucy Poems' से यह बात स्पष्ट हो जाती है। वर्ड्सवर्थ ने लूसी के आंगिक सौन्दर्य का वर्णन कहीं भी नहीं किया है वरन् उसकी स्वच्छन्दता, सरलता, प्रशान्त स्वभाव आदि इन गुणों को वर्णन किया है जो उसे प्रकृतिक द्वारा प्राप्त हुए हैं–

And hers shall be the breathing balm

And hers the silence and the calm

Of mute insenate things.

वर्ड्सवर्थ की सौन्दर्य–भावना की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता यह है कि उन्होंने समाज के शोषित और उपेक्षित वर्ग में सौन्दर्यानुभूति की। भिखारियों, पशु चराने वाले ग्वालों, धुमक्कड़ों, सेवानिवृत्त वृद्ध लोगों निर्धन देहातियों और कुटीर वासियों को उसने अपने काव्य का विषय बनाया

और उनका अत्यन्त सजीव चित्रण किया। 'The Affliction of Margaret', 'The Reverie of Poor Susan', 'There was A Boy', 'The Old Cumberland Bejgar', 'Resolution and Independence'– आदि कविताएँ इस सन्दर्भ में दृष्टव्य हैं। वर्ड्सवर्थ का भिखारी भी सेवाभाव, प्रेम और ममता आदि सद्गुणों से विभूषित है। 'The Old Cumberland Beggar' की निम्न पंक्तियाँ देखिए–

'Where ever the aged Beggar takes his rounds,

The mild necessity of the use complete to acts of love

and habit does the work of reason, yet prepares

that after joy which reason cherishes. And

Thus the soul, by that sweet taste of pleasure

Unpursued doth find herself insensibly

Disposed to virtue and true goodness.'

रोमाण्टिक कवियों में वर्ड्सवर्थ ही ऐसे कवि हैं जिसने मानवता के नाते समाज के निम्न स्तरों के व्यक्तियों का सौन्दर्य भी सहृदयतापूर्वक देखा है उसका चित्रण किया है।

वर्ड्सवर्थ की दृष्टि बाल–सौन्दर्य पर भी गई है। उनकी अनेक कविताओं में शैशव एवं बाल्यावस्था की महिमा का वर्णन किया गया है। बालक को देखकर कवि को असीम प्रसन्नता प्राप्त होती है और उसकी वाणी इन शब्दों में फूट पड़ती है–

O blessed vision? happy child?

That are so exquisitely wild,

I think of thee with many fears,

for what may be thy lot of future years.

रोमाण्टिक युगीन अंग्रेजी कवियों की भाँति वर्ड्सवर्थ के काव्य में भी प्रेम–भावना की अभिव्यक्ति हुई हैं कु. एनिटीवेलों के साथ प्रेम–सम्बन्ध वर्ड्सवर्थ के जीवन की एक ऐसी महत्वपूर्ण घटना है जिसका प्रभाव उनके सम्पूर्ण काव्य पर देखा जा सकता है। 'Voudracour and Julia' शीर्षक कविता में इसी प्रेम–सम्बन्ध की झाँकी प्रस्तुत हुई है और वह कविता प्रेमपरक कविताओं में एक उल्लेखनीय स्थान रखती है। प्रेम सम्बन्धी कविताओं में वर्ड्सवर्थ द्वारा जर्मन के प्रवास में लिखित पाँच लूसी कविताओं (Lucy Poems) की सर्वाधिक प्रतिष्ठा है। लूसी एक ऐसी बालिक है जो प्रकृति की गोद में विकसित हुई है और जिसके प्रति कवि ने अपने हृदय का सम्पूर्ण प्यार उडेल दिया है। यह लूसी कौन थी? इस सम्बन्ध में आलोचकों में सदैव से ही विवाद रहा है। वर्ड्सवर्थ के ही मित्र और रोमाण्टिक युग के महान कवि कॉलरिज का मत है कि लूसी अन्य कोई नहीं, डोरोथी (वर्ड्सवर्थ की भगिनी) ही थी। किन्तु अधिकांश विद्वानों ने इस मान्यता को असत्य बाताया है। इस सन्दर्भ में सुप्रसिद्ध समीक्षक जे.सी. स्मिथ का अभिमत उचित प्रतीत होता है। स्मिथ का कथन है कि लूसी एक आदर्श चित्र है, वह आंग्ल कौमार्य का आदर्श है।

वर्ड्सवर्थ के काव्य में हमें कहीं भी ऐन्द्रिक प्रेम के दर्शन नहीं होते हैं। ऐन्द्रिक

प्रेम के स्थान पर आत्मिक प्रेम तथा स्थूल प्रेम के स्थान पर सूक्ष्म प्रेम की व्यंजना वर्ड्सवर्थ की विशेषता है। वर्ड्सवर्थ की प्रेम–भावना का विस्तार प्रायः निम्न रूपों में हुआ है– (1) प्रकृति प्रेम (2) प्रकृति के स्नेहांचल में निवास करने वाले लोगों के प्रति प्रेम (3) स्वातंत्र्य–प्रेम (4) पारिवारिक प्रेम (5) मित्र प्रेम।

वर्ड्सवर्थ प्रकृति–प्रेम के महान् कवि हैं। बचपन से ही वह अत्यधिक संवेदनशील, स्वप्नदृष्टा और निर्जनताप्रिय थे। साथ ही उसमें अदम्य स्फूर्ति और बाहरी प्राकृतिक जीवन के प्रति गहरी रूचि थी। इस प्रकार वह क्रमशः प्रकृति के समीप आते गए। बाल्यावस्था उनका प्रकृति–प्रेम बहुत–कुछ सामान्य ढंग का रहा अर्थात् वह प्रकृति के बाह्य स्वरूप और उसके क्रिया–व्यापारों की ओर आकर्षित हुए। किशोरावस्था में वह ऐन्द्रियानुभूतियों द्वारा प्रकृति–सौन्दर्य का आनन्द लेने लगे। किन्तु शनैः शनैः प्रकृति प्रेम–सम्बन्धी उसकी दृष्टि में परिवर्तन हुआ। चिन्तन के बढ़ने और मानवी सम्पर्क से दूर रहने के कारण प्रकृति उसके लिए आत्मीय, पथ–प्रदर्शक और दर्शनवेत्ता बन बैठी। उनमें इस धारणा का विकास हुआ कि प्रकृति का केवल बाहरी जड़ स्वरूप ही नहीं है प्रत्युत उसका अपना सजीव रूप भी है। प्रकृति की इस प्रकार की सजीव कल्पना ने उन्हें सर्वेश्वरवादी होने को विवश किया। संक्षेप में, कवि के प्रकृति–प्रेम के यहाँ विभिन्न सोपान हैं।

वर्ड्सवर्थ ने प्रकृति के अंचल में निवास करने वाले धरतीपुत्रों के प्रति भी अपने प्रेम की अभिव्यक्ति की है। पूर्ववर्ती कवियों ने राजा–महाराजाओं, सामन्तों, कुलीन व्यक्तियों और अभिजात वर्ग के लोगों को अपनी कविता का नायक अथवा नायिका बनाया। वर्ड्सवर्थ ने ग्वालों, कुटीर में रहने वाले निर्धन लोगों, अपढ़ असंस्कृत और पिछड़े वर्ग के व्यक्तियों को अपनी कविता के लिए चुना। उनका विश्वास था कि प्रकृति की गोद में रहने वाले द्वन्द्व विहीन लोगों के जीवन में नैसर्गिक वृतियाँ और मूल मनोभाव (Primal instincts and affections) स्वाभाविक रूप में विद्यमान रहते हैं। Lyrical Ballads के द्वितीय संस्करण (सन् 1802) की भूमिका में वर्ड्सवर्थ ने लिखा है–

Humble and rustic life was generally chosen, because in that condition the essential passions of the heart find a better soil in which they can attain their maturity, and are less under restraint, and speak or plainer and more emphatic language...

वर्ड्सवर्थ के निच्छल, भोले–भाले ग्रामीण नायक एक नैतिक गरिमा, और उदात्तता से आवेष्टित हैं। 'Resolution and Independence' कविता का लीच–गैदरर (Leech-gatherer) एक उच्चाशय और उदारवेत्ता व्यक्ति है जो कवि की निराशा और विषाद को समाप्त करता है तथा उसमें प्रसन्नता और आशा का संचार कर उच्चादर्श की प्रेरण देता है। कम्बरलैण्ड का भिखारी (The Old Cumberland beggar) टिल्सबरी घाटी की किसान (The Farmer of Tilsbury vale), माग्रेरिट (The Excursion)

और माइकेल (Michael) आदि पात्र भी जीवन के महत् और उदात्त आदर्शों से अनुप्राणित हैं और पथभ्रष्ट मानवता के लिए दिशा–निर्देशक का कार्य करते हैं। यही कारण है कि ऐसे व्यक्तियों के प्रति वर्ड्सवर्थ ने अपनी पूर्ण सहानुभूति और प्रेम प्रदर्शित किया है।

वर्ड्सवर्थ का स्वातन्त्र्य–प्रेम की उसकी कविता में लक्षित होता है। वर्ड्सवर्थ ने सदैव ही समानता, न्याय और स्वातन्त्र्य के सिद्धान्तों का समर्थन किया। फ्रांस की राज्यक्रान्ति ने स्वातन्त्र्य–युद्ध के रूप में उसको महान् प्रेरणा प्रदान की–

Bring garlands, bring froth choicest flowers to deek,

he tree of liberty – My heart rebounded,

My melancholoy voice the chorus joined,

'Be joyful all ye nations, in all lands,

Ye that are capable of joy be glad?

Henceforth, whatever is wanting to your selves

In others ye shall promptly; and all,

Enriched by mutual and reflected wealth,

Shall with one heart honour their common kind.

वर्ड्सवर्थ की कुछ कविताओं में पारिवारिक जनों के प्रति उनके उदार गहरे प्रेम की व्यंजना हुई है। स्वकीय जनों में उस पर सर्वाधिक प्रभाव उसकी बहन डोरोथी का पड़ा। अशान्ति और रिक्तता की स्थिति में कवि को अपनी बहन से जो सांत्वना और सहायता मिली, वह उसके लिए अनुपमेय निधि सिद्ध हुई। कवि ने अपनी अनेक कविताओं में डोरोथी के अवदान का कृतज्ञतापूर्वक उल्लेख किया है। 'Tintern Abey' कविता में कवि ने अपनी बहन से प्राप्त स्नेह और सन्निध्य की चर्चा इन शब्दों में की है–

'For thou art with me here upon the banks

of this fair river, thou my dearest friend,

My dear, dear friend, and in thy voice I catch

The language of my former heart, and read

My former pleasures in the shooting lights

of the wild eyes. Oh? yet a little while

May I behold in thee what I was once,

My dear, dear sister? and this prayer I make,

Knowing that Nature never did betray,

The heart that loved her.'

डोरोथी स्वयं प्रतिभाशालिनी और प्रकृति की सूक्ष्म पर्यवेक्षिका थी। उसकी डायरी से प्रकट होता है कि उसने कवि को अधिकांश कविताएँ लिखने की प्रेरणा प्रदान की। अपनी सहेली जैनी पोलार्ड को लिखित उसके पत्र अपने भाई के प्रति प्रशंसा और स्नेह से संसक्ति हैं। अन्य पारिवारिक जनों में, जिनके प्रति कवि ने अपना प्रेम अपनी कविताओं में व्यक्त किया है, कवि की पत्नी मेरी हचिंगसन का नाम उल्लेखनीय है। मेरी शांत स्वभाव की स्नेहशील मधुर, युवती थी तथा साहित्य में भी रूचि रखती थी।

कवि ने उसे 'उल्लास्व की छाया' (Phantom of delight) कहकर सम्बोधित किया है और उसका आदर्श व आध्यात्मिक रूप अंकित किया है। कवि ने मैरी की दृढ़ बुद्धि, स्थिर संकल्प, सहनशीलता, दूरदर्शिता और चातुर्य की इन शब्दों में प्रशंसा की है–

"The reason firm, the temperature will,

Endurance, foresight, strength and skill,

A perfect women, nobly planned,

To warn, to comport, and command,

And yet a spirit still, and bright,

With something of angelic light'.

अपने नाविक भ्राता जॉन में भी वर्ड्सवर्थ की तीव्र अनुरक्ति थी। जान के आकस्मिक निधन ने कवि को अपरिसीम शोक में डुबा दिया। 'Peel Castle in a Storm', 'The Daisy' तथा 'Blegiac Verses' आदि कविताएँ जान की स्मृति पर आधारित हैं। सन् 1846 में वर्ड्सवर्थ के भाई क्रिस्टोफर वर्ड्सवर्थ का देहान्त हुआ। सन् 1847 में पुत्री डोरा, जिसे कवि अत्यधिक प्यार करते थे, की भी मृत्यु हो गई। यह कवि के जीवन में सबसे बड़ा शोकाघात था। इस दुःख को कवि सहन न कर सके, वह अस्वस्थ हो गए और अन्त में उसी वर्ष उनकी मृत्यु भी हो गई। कवि का सम्पूर्ण काव्य उनके प्रगाढ़ पारिवारिक स्नेह के कवियों से भरा है। वर्ड्सवर्थ ने स्वतन्त्र रूप से भी भ्रात–प्रेम, पितृ–प्रेम और मातृ–प्रेम की व्यंजना करने वाली कविताओं की रचना की है। इस दृष्टि से क्रमशः 'The Brothers', 'Michael' और 'The Application of Margaret' कविताएँ उल्लेखनीय है।

अपने मित्रों के प्रति कवि का प्रेम–भाव भी उसकी अनेक कविताओं का विषय है। वर्ड्सवर्थ और कॉलरिज की मित्रता उन्नीसवीं शताब्दी के अंग्रेजी साहित्यिक–जगत् की एक महान शुभ घटना के रूप में जानी जाती है। यह बात निर्विवाद रूप से कही जा सकती है कि वर्ड्सवर्थ की प्रारम्भिक रचनाओं पर कॉलरिज का असीम प्रभाव पड़ा। 'The Prelude' की इन पंक्तियों में वर्ड्सवर्थ ने कॉलरिज की वाग्मिता, उसकी काव्य–क्षमता और उसकी प्रेरणा और प्रोत्साहन को इन शब्दों में याद किया है–

O Capacious Soul?

Place on this earth to love and understand

And from the presence shed that Light of Love,

....

The kindred influence to my heart of hearts

Did also find its way.

मित्र–प्रेम की दृष्टि से 'Extempose Effusion Upon the Death of James Hogg' कविता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि वर्ड्सवर्थ के काव्य में सौन्दर्य चेतना तथा प्रेम–भाव की अत्यन्त सहज और मार्मिक अभिव्यक्ति हुई है। उनकी प्रेमानुभूति स्थूल, ऐन्द्रिक और लौकिक न होकर सूक्ष्म, आत्मिक, अलौकिक और आध्यात्मिक है।

उन्होंने प्रेम को मानव के अनुरंजन का साधन न मानकर उसे मानव–शक्ति का अधिवास माना है और उसे सूक्ष्म–गंभीर, उदार व मानवीय धरातल पर प्रस्तुत किया है।

सन्दर्भ सूची

1. Wordsworth : Vandracour and Julia , 'The Poetical Works of Wordsworth', p. 121
2. Wordsworth : Intimations of Immortality from Recollections of Early childhood, the Poetical Works of Wordsworth, p. 590.
3. Wordsworth : To a highland Girl. The Poetical works of Wordsworth, p. 288
4. Wordsworth : Lucy Poems 'The Poetical works of Wordsworth', p. 187
5. Wordsworth : The Old Cumberland Beggar – The Poetical Works of Wordsworth, p. 367
6. Wordsworth : To Hartley Coleridge' The Poetical Works of Wordsworth, p. 88.
7. '... Lucy is an ideal figure an ideal of English maidenhood, born of the poets' longing for England during that 'melancholy dream' of exile in Germany, and touched with memories of Mary Hutchingson who had been his first love, and to whom his heart was now returning.' J. C. Smith : 'A study of Wordsworth', p. 30
8. Wordsworth : Preface to the 1802 edition of the lyrical ballads. The Poetical works of Wordsworth, p. 935.
9. Wordsworth : The Excursion (Despondency), The Poetical works of Wordsworth, p. 796.
10. Wordsworth : Lines Composed Above Tintern Abbey, The Poetical works of Wordsworth, p. 207.
11. Wordsworth : She was a Phantom of Delight. The Poetical works of Wordsworth, p. 186.
12. Wordsworth : The Prelude (BK XIV) The Poetical Works of Wordsworth, p. 750.

Copyright © 2017, Dr. Rakhee Upadhyay. This is an open access refereed article distributed under the creative common attribution license which permits unrestricted use, distribution and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.